पितृपक्ष का नियम

1. पितृपक्ष में कोई विशेष नियम करना जरूरी नहीं है।
2. परंतु अगर आप अपने पितरों की मुक्ति एवं शांति के लिए कुछ करना ही चाहते है तो यह उपाय कर सकते है।
3. घर की दक्षिण दिशा या दक्षिण पश्चिम कोने अथवा नैऋत्य कोण में घी का दीपक लगायें एवं मीठी खीर, हलवा इत्यादि रखें। मिठाई भी रख सकते है।
4. याद रखे कि यह संपूर्ण प्रोसेस घर के बाहर गैलरी या छत पर कर सकते हैं, परंतु घर के अंदर नहीं करें।
5. चढ़ी हुई सामग्री किसी पेपर, कागज, दोने–पत्तल या डिस्पोजेबल में ही रखना है।
6. चढ़ी हुई सामग्री किसी कौवे, सुअर या किसी सफाई कर्मचारी को दे सकतें है। स्वयं नहीं खाएं।
7. यह प्रोसेस आप एक, तीन या पाँच बार अपनी श्रद्धानुसार कर सकते है।
8. प्रोसेस के वक्त **मंत्रजाप – ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय**
   27 बार या 54 बार पढ़ना है।
9. यह प्रोसेस आपके परिवार की तिथि के दिन भी कर सकते है।
10. इसके अलावा आप शिव जी के मंदिर में दूध एवं जल भी चढ़ा सकते है।

स्पंदन पारमार्थिक एवं सामाजिक उन्नयन समिति (रजि.)
28, विद्यानगर, उज्जैन (म.प्र.) पिन : 456010
Only WhatsApp Msg: +91-9424870644
Website//www.sanjayjain-guruji.com
E-mail: gurujishrisanjayjain@gmail.com